

१ अच्छा देखो, अच्छा सोचो, अच्छा बोलो और अच्छा करो।

ऐसा इसलिये नहीं कि लोग हमें अच्छा कहें,  
अपितु इसलिये  
कि हम वास्तव में अच्छे बन सकें।

७

१ आज आप प्रसन्न रहें, इसलिये नहीं  
कि आज की प्रसन्नता से हमारा पूरा वर्ष प्रसन्नता में  
बीतेगा,  
यह तो अंधविश्वास है, अपितु इसलिये  
कि आज हमने अपना नया लक्ष्य बनाया है,  
उसकी प्राप्ति के लिये मैं संकल्पित हूँ।

७

१ आप प्रसन्न रहें, लेकिन अकेले ही नहीं,  
अपितु अपनी प्रसन्नता से हर जरूरतमंद को भी  
प्रसन्न रखें,  
वो तुम्हें दुआ देगा।

७

१ सच मानो, समय आपके साथ है, अगर आप समय  
के साथ हैं।

७

- १ हर खुशी आपका इन्तजार कर रही है,  
लेकिन आपका मन और दामन उसी खुशी से भरेगा,  
जिसको तुम चाहोगे।

७

- १ उत्साह के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ते चलो,  
आंशिक सफलता का स्वागत करो, और  
असफलता को नज़रंदाज करो।
- ७
- १ केवल सफलताओं का स्वप्न देखना  
अपनी इच्छाशक्ति को कमजोर बनाना है क्योंकि  
असफलतायें भी दृढ़ इच्छाशक्ति को जन्म देती हैं।
- ७
- १ लक्ष्य की दिशा में हर असफलता,  
आंशिक सफलता ही है।
- ७
- १ सफलतायें आलसी भी बना सकती हैं और उत्साही  
भी  
ठीक इसी प्रकार  
असफलतायें नया जोश भी ला सकती हैं और  
थक-हारकर बैठने को मजबूर भी कर सकती हैं।
- ७
- १ आंशिक सफलतायें मन को प्रसन्न करती हैं  
और असफलतायें मन को निराश।  
लेकिन जो दोनों को समान रूप से स्वीकार करते हैं  
वास्तव में वो ही सफल होते हैं।
- ७
- १ हर सफलता के पीछे कोई न कोई असफलता जरूर

होती है।

७

१ कामयाबी मनुष्य के हाथों में छुपी होती है, जिसे श्रम-परिश्रम से पाया जा सकता है।

७

१ कामयाबी का कोहिनूर दृढ़ संकल्प की छैनी से निकाला जा सकता है।

७

१ अति प्रसन्नता में आँसुओं का निकलना मिठाई के साथ नमकीन खाने जैसा है।

७

१ नाकामयाबी में हाथ की लकीरों को दोष देने की बजाय अपनी काम करने की शैली को पुनः निरीक्षित करो।

७

१ दूसरे को कामयाब होते देखकर चिढ़ना, अपने हाथों को गिरवी रखना है।

७

१ आप निश्चित रूप से कामयाब होंगे, अगर दूसरे को नाकामयाब करने की कोशिश में व्यर्थ समय न खोयें।

७

१ हर नाकामयाबी के पीछे व्यक्ति की अपनी भूलें होती हैं

उन भूलों को पहिचानकर पुनः न दोहराने का संकल्प किया, तो निश्चित रूप से आप नई कामयाबी हासिल करेंगे।

७

१ जन्म लेकर रोना स्वास्थ्य के लिये लाभप्रद है, किन्तु जीवन भर रोते हुये जीना पागल मनुष्य की निशानी है।

७

१ आप अपना जीवन इस तरह जियें, कि आपको देखकर लोग आप जैसा होना चाहें, और आप आदर्श पुरुष कहला सकें।

७

१ आप अपनी आँखों को इतना साफ रखें, कि किसी भी दुःखी मनुष्य के दुःख में अश्रुजल निकले सके।  
वास्तव में वह अश्रुजल किसी गंगाजल से कम नहीं होगा।

७

१ अगर आपके जीवन में अच्छा कर गुजरने की चाहत नहीं,  
तो आपका जीवन गम की किताब बन जायेगा।

७

१ अच्छा आचरण करने वाला मनुष्य किसी धर्मशास्त्रा से कम नहीं,  
क्योंकि उसे लोग दिल की आलमारी में सहेज कर रखते हैं।  
किन्तु खोटे आचरण से चाट के दौने की तरह फैंक दिये जाते हैं।

७

- १ आप रोज अच्छा आचरण करते हैं,  
यह ध्यान में स्मरण में लाने योग्य नहीं, अपितु  
आप रोज अच्छा आचरण किसलिये करते हैं, इस बात  
का स्मरण करो।

- १ हर सफल व्यक्ति धैर्यशील होता है।  
जो धैर्यशील नहीं होते,  
सफलता उनके द्वार से लौट जाती है।
- १ अगर आपके पास धैर्य का हथियार है, तो  
असफलता आपकी परछाई से भी डरेगी,  
और सफलता आपके कदम चूमेगी।
- १ धैर्यपूर्वक बहनेवाली नदी एक दिन समुन्दर से जा मिलती  
है,  
किन्तु जो नदी अपना धैर्य खो देती है,  
उसे मंजिल प्राप्त नहीं होती, अपितु वो सिर्फ कीचड़ पैदा  
करती है।
- १ हर विवेकी पुरुष के लिये धैर्य अनमोल संपदा है,  
किन्तु अविवेकी के लिये इसका कोई मूल्य नहीं।
- १ अगर आप धनवान हैं तो आपके पास धैर्य जरूर  
होगा।  
यदि आपके पास धैर्य नहीं है,  
तो आपको किसने कह दिया, कि आप धनवान हैं।
- १ आप सफलताओं के पीछे बेतहाशा मत भागिये।  
आप तो सिर्फ धैर्यपूर्वक चलना सीख लीजिये,  
सफलता आपोआप आ जायेगी।

- १ छहों ऋतुएँ आपके अनुकूल होंगी,  
सिर्फ आप अपने मन को अनुकूल बना लीजिये।

७

- १ यदि आपको अपने कदमों पर भरोसा है तो  
आपकी मंजिल आपसे दूर नहीं।

७

- १ आप जितने बार अपनी कमजोरियों का स्मरण करेंगे,  
उतने ही अपने को कमजोर बनायेंगे।

७

- १ अपनी खूबियों को पहिचानो। उनका सतत् स्मरण  
करो,  
जिससे आपका मनोबल ऊँचा हो,  
किन्तु भूलकर भी अपनी प्रशंसा मत करो।

७

- १ आप जितने सहज होंगे,  
सारी दुनियाँ आपको उतनी ही सहज दिखेगी।  
आप जितने असहज होंगे, उतना अपने को ही  
सतायेंगे।

७

- १ आप दोस्ती के लिये सिर्फ अपना हाथ बढ़ाकर तो  
देखो,  
आपके हाथ की रेखायें बदल जायेंगी।

७

- १ आप जश्न मनाइये, लेकिन अपने को बुराईयों से

जस्तर बचाइये।

७

- १ समय और अवसर को खोना, अपने जीवन के साथ खिलवाड़ करना और सफलताओं को खोना है।

७

- १ आपका आचरण ही आपका व्यक्तित्व है, इसलिये सुन्दर व्यक्तित्व के लिये सुन्दर आचरण अपनायें।

७

- १ जमाने की नजर आपकी ओर है।  
क्या आपकी भी नज़र अपनी ओर है?  
यदि हाँ, तो आपका आचरण जरूर अच्छा होगा।  
यदि नहीं, तो आपकी सोच जरूर घटिया होगी।

७

- १ मन की निर्मलता मापने के लिए कोई यंत्रा नहीं।  
अगर आप अपने साथ-साथ दूसरों का भला सोचते हैं,  
तो यकीं मानिये, आपका मन निर्मल है।

७

- १ केवल सख्त होना ही अनुशासन नहीं है, अपितु जो अनुशासित होता है,  
वह अपनी मर्यादाओं का पालन पूरी सख्ती से जरूर करता है।

७

- १ आपका वक्त कैसा बीता, इसका स्मरण करने की बजाय,  
अब आप अपना वक्त कैसा गुजारना चाहेंगे,

- इसके लिये प्रयास करें।

७

- १ आपका हर कदम कीमती है, तब,  
जब आप सही दिशा में रखते हैं, अन्यथा कोरा भ्रम  
है।

७

- १ क्या आप नहीं जानते, आपकी समता ही आपकी  
यथार्थ क्षमता है। अगर आप में समता नहीं, तो  
आपकी क्षमता मानसिक असंतुलन है।

७

- १ अगर आपने अपनी जरूरतों को पहिचान लिया है,  
तो आप निश्चित ही किसी गरीब, दुखिया की  
जरूरतों को समझ सकेंगे।

७

- १ अगर आपका सुख भलाई करने से जन्मता है,  
तो आप स्वर्ग के हकदार हैं।  
यदि आप बुराई करके अपने को सुखी महसूस करते  
हैं,  
तो आप किसी विराट दुःख को आमंत्रित कर रहे हैं।

७

- १ आपको किसने और क्यों बनाया, इस पर विचार  
करने  
की अपेक्षा, आप स्वयं को और दूसरों को  
कितना अच्छा बना सकते हैं, इस पर विचार करें।

७

- १ कुछ बुरा करने की बजाय कुछ भी न करना अच्छा  
है,  
और कुछ अच्छा करना अपनी अच्छाई है।

७



१ अगर आप सफल हो रहे हैं, तो ध्यान रखिये आप थोड़े-थोड़े लापरवाह भी हो रहे हैं, इसलिये नई सफलता के लिये आप थोड़ा चिंतित रहना सीखें।

१ हर नई सफलता के लिये आपकी सोच भी नई होनी चाहिये।  
नई सफलता में पुरानी सोच और पुराने कदम ही नई लापरवाही हैं।

१ हर असफलता आग की तरह होती है, जो दुःख और पीड़ा देती है।  
यदि उसमें धैर्य के साथ प्रवेश करें,  
तो स्वर्ण की तरह निखर भी सकते हैं।

१ हर सफलता वर्षों से आपका इंतजार कर रही है,  
क्या आप भी इतना लंबा इंतजार करना चाहेंगे?  
यदि हाँ-तो आप जरूर ईमानदार होंगे।  
यदि नहीं तो आप बेईमानी का सहारा लेने के इच्छुक हैं।

१ हर सफलता ईमान से ही मिलती है, और यह कभी मरती नहीं।

१ इर ईमानदार व्यक्ति सफल ही होता है,  
चाहे वह कितना भी असफल हो रहा हो,  
किन्तु बेईमानी की हर सफलता, नई असफलताओं को निमंत्रण है।

१ आप किन जीवनमूल्यों को स्वीकार करके सफल होना चाहते हैं।

सफलता के पहले इसका निर्धारण करना आवश्यक है।

१ आप अपने जीवनमूल्यों के प्रति जितने सावधान और सचेत होंगे, उतने ही सफल हैं।

१ जीवनमूल्यों से टूटकर पाई गई सफलता, आँधी में वृक्ष से टूटी उस हरी-भरी डाली की तरह है, जो थोड़े समय में ही मुरझाने वाली है।

१ आप हर किसी दिशा में चलने की बजाय, अपने जीवन मूल्यों की दिशा में चलना सीखें, आपकी जीत सुनिश्चित है।

१ आप अपने स्वास्थ्य के प्रति कितने जागरूक हैं, उतने ही अपने जीवनमूल्यों के प्रति रहें। जीवनमूल्य परम स्वास्थ्य है।

१ महापुरुष बनने के लिये नये काम नहीं करने होते, अपितु सिर्फ अपने जीवनमूल्यों की पुनर्स्थापना करना

होती है।

१ क्या आप जानते हैं - मनुष्य भोजन-पानी से जिंदा रहते हैं, किंतु मनुष्यता अपने जीवनमूल्यों से ही जिंदा है।

१ अगर आप अपने स्वभाव को शिकायती बना रहे हैं,  
तो  
निश्चित ही आप अपने दुश्मन हैं।

१ दूसरों से शिकायत के लहजे में बात करने के पहले  
आप यह सोचें, कि आप इस प्रकार बात क्यों कर  
रहे हैं।

१ आप दूसरों के जिस व्यवहार को लेकर शिकायत कर  
रहे हैं,  
क्या आपने उस व्यवहार को कभी न करने का  
संकल्प किया है।

१ शिकायत का व्यवहार मानसिक बीमारी व वाचनिक  
कायरता को प्रदर्शित करता है।

१ अगर आप विजेता बनना चाहते हैं, तो शिकायत की  
बजाय शराफत से पेश आने की आदत डालें।

१ अगर शिकायत करना आवश्यक है, आप इसके  
हकदार हैं,  
तो भी व्यवहार में शालीनता बनाये रखें।

१ जो पति-पत्नी कभी-कभी आपस में शालीनतापूर्वक  
शिकायत करते हैं, वे अपने प्रेम को और प्रगाढ़ कर  
लेते हैं,  
क्योंकि शालीनतापूर्वक शिकायत प्रेम को बढ़ाती है।

१ अगर आप असफल हो रहे हैं, तो किसी ज्योतिषि के पास जाने की बजाय, किसी सफल व्यक्ति की कार्यशैली देखें, यह आपकी प्रथम सफलता होगी।

१ अगर आप दूसरों का बुरा सोचकर अपना भला करना चाहते हैं, तो आपकी तरह दुनियाँ में कोई दूसरा मूर्ख नहीं।

१ वक्त कभी किसी का बुरा नहीं होता, यदि आप आज असफल हैं, तो किसी न किसी लापरवाही के कारण ही हैं।

१ अगर आपने हर आदमी की सफलता के लिये कामना करना सीख लिया है, तो निश्चित ही आपको सफलता ने चुन लिया है।

१ अगर आपको असफलता का अनुभव हुआ है, तो निश्चित ही आपकी कार्यशैली में बदलाव आयेगा।

१ हर असफलता आपकी गुरु है, इससे शिक्षा लेकर अगर आपने सफलता अर्जित ही है, तो आप एक अच्छे शिष्य हैं।

१ हर सफलता गुणवान व्यक्ति को ही मिलती है। असफलता को हँसकर स्वीकारना, सफलता के लिये हिम्मत न हारना गुणों का भी गुरु गुण है।

१ जब आप विचलित हों, तो एक स्थान पर बैठें और अपनी आती-जाती साँसों का संगीत सुनें, जरूर शांति का अनुभव करेंगे।

१ जिसने तूफान में (संघर्ष में) हँसना सीख लिया है, उस व्यक्ति पर फिर कोई हँसता नहीं अपितु सब प्रसन्न रहते हैं।

१ अगर आपने हँसना और हँसाना सीख लिया है, तो आप अपने और दूसरों के सच्चे हितैषी हैं।

१ दूसरों को नीचा दिखाने के लिये हँसना, अपने श्रेष्ठ व्यक्तित्व को खोना और अशिष्ट होना है।

१ हँसी, चेहरे और कण्ठ से नहीं अपितु हृदय और नाभि से उठना चाहिये।  
सच कहता हूँ आप कभी अस्वस्थ नहीं होंगे।  
तो देरी क्यों, आज से और अभी से हँसना शुरू कीजिये।

१ जो अपने लिये हँसता है वह मनुष्य है,  
और जो दूसरों के लिये हँसाता है वह धरती का देवता है।

१ हँसना सभी बुराइयों से दूर रहना है,

क्योंकि हँसता हुआ आदमी, कभी बुराई को नहीं करता।

१ सफल वही होता है, जिसके अंदर आत्मविश्वास की शक्ति जाग जाती है।

७

१ युद्ध में सैनिक नहीं जीतते, अपितु उनका आत्मविश्वास जीतता है। क्योंकि आत्मविश्वास की महाशक्ति उनका हौसला बढ़ाती है।

७

१ आत्मविश्वास वर्तमान की विजय और भविष्य की उन्नति में प्रथम सोपान है।

७

१ आप भले ही कितने भी शक्तिशाली हों, यदि आपको अपने आप पर यकीन नहीं है, तो आप सबसे कमजोर इंसान है।

७

१ जो यह सोचता है कि मैं बड़ा अभागा हूँ, सफलता मेरे नसीब में नहीं है, तो उससे बढ़कर दुर्भाग्यशाली वास्तव में कोई नहीं है।

७

१ आत्मविश्वास का अर्थ है अपने आप पर पूरा यकीन, एक ऐसा निश्चय कि हम किसी भी फील्ड में सौ फीसदी सफल होंगे।

७

१ आत्मविश्वास एक ऐसी पहल है, जिसके पास हर संकट और बाधा का सफलतम हल है।

७

- १ आगे बढ़ने के लिये संघर्षों से संघर्ष करना सीखो, किन्तु संघर्ष की कल्पना करके कमजोर मत बनो।

७

- १ संघर्ष के बिना उन्नति की उपलब्धि कभी मनुष्य को तृप्ति का अनुभव नहीं कराती।

७

- १ संघर्ष को आदर देना सीखो, क्योंकि वह तुम्हारे पूर्व कृत कर्म के निमंत्रण को स्वीकार कर आया है, आप पायेंगे संघर्ष भी हर्ष बन गया है।

७

- १ संघर्ष के अभाव में हार्दिकता नहीं जन्मती।

७

- १ जब आपका वक्त आपसे संघर्ष करने को आतुर है, तो आप भी अपने वक्त से संघर्ष करने का संकल्प जगाओ। थोड़े समय में आप पायेंगे, संघर्ष विदा हो गया।

७

- १ क्या आप जानते हैं, दो पैरों का संघर्ष अंत में मंजिल तक पहुँचा देता है।

७

- १ संघर्ष में हारने वाले भी महान हैं, किन्तु संघर्ष के बिना जीतने वाले महान नहीं हैं।

७

१ हित-अहित का विचार किये बिना किया गया कार्य  
सिर्फ समय की बरबादी है।

१ क्या आप नहीं जानते, जिसने अपना व्यक्तित्व वध  
मान होता है  
वही हित है, लेकिन जिससे व्यक्तित्व भी धूमिल होता  
हो,  
निश्चित ही वह अहित है?

१ अगर आप अपना हित चाहते हैं, तो गुणवान बनिये।  
हित नहीं चाहते हैं, तो भी गुणहीन मत बनिये।

१ जो दिल से साफ रहने और स्वयं को माफ करने की  
क्षमता रखता है, वह सबसे महान इन्सान है।

१ अगर आप अपना अच्छा नहीं कर रहे हैं, तो कोई  
बात नहीं,  
आप दूसरों का बुरा न करें, क्योंकि  
दूसरों का बुरा नहीं करना ही स्वयं का अच्छा करना  
है।

१ अगर आपको दूसरों का अच्छा करने में सुकून मिलता  
है,

तो आपको हर कदम पर खुशियाँ मिलने वाली हैं।

१ आपका सच्चा विचार ही आपका सबसे बड़ा गुरु है?



